

भगत बुलावे वेगा पधारो आओ भटियल मात



भगत बुलावे वेगा पधारो,
आओ भटियल मात,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

जसोल गढ़ में धाम बणियो,
आवे नर और नार,
धूप दीप सु करू आरती,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

धित्त मिठाई चढ़े चूरमा,
निलोड़ा नारल,
गुग्लीयो रे धूप खेऊ,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

ढोल नगाड़ा नौबत बाजे,
झालर रो झणकार,
घणे कोड सु होवे आरती,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

बामन पूजे बनिया पूजे,
पूजे सारों संसार,
बाझन नार पुत्र ने तरसे,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।



जांगिड़ सुरेश री विनती,
सुणजो भटियल मात,
हो घणे चाव सु भजन करू माँ,
कद आवो दरबार,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

भगत बुलावे वेगा पधारो,
आओ भटियल मात,
ओ म्हारो मनडों तरस रयों,
कद आओ दरबार।bd।

प्रेषक – सांगा राम सुधार माडपुरा ।
गायक – सुरेश जांगिड़ बाड़मेर ।
मो.7073648651
